एच.पी.एस.सी मुख्य परीक्षा-2019
हिन्दी और हिन्दी निबन्ध
H.P.S.C Mains Exam-2019
Hindi and Hindi Essay

हिन्दी और हिन्दी निबन्ध (कोड-1252)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (अंक 15)

Great men of science, literature and art belonged to no exclusive class or rank of life. They have come alike from colleges, workshops and farm houses, to the huts of poor men and the mansions of rich. Some of God's greatest apostles have come from "the ranks". The poorest have some times taken the highest places, nor have idfficulties apparently the most insuperable proved obstacle in their way. Those very difficulties, in many instances would ever seem to have been their best helpers, by evoking their power of labour and endurance, and stimulating into life facilities which might otherwise have lain dormant. The instances of obstacles thus surmounted and of triumphs thus achieved are indeed so numerous as almost to justify the proverbs that with a will one can do anyhting.

2. दूषित पेयजल आपूर्ति के विरोध में अध्यक्ष, जल संसाधन को एक शिकायती पत्र लिखिए। (अंक 10)

अथवा

आपके बैंक खाते से अन्य किसी के द्वारा अवैध रूप से रुपया निकाल लिए जाने के विरोध में, साइबर अपराध प्रकोष्ठ, पुलिस विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए।

3. निम्नलिखित अवतरण का सार-तिहाई शब्दों में लिखिए: (अंक 10)

सौन्दर्यशास्त्र एक विचित्र शास्त्र है। वह वस्तुत: एक मूल्यशास्त्र है। चूंकि हमारे जीवन की प्रधान दिशाएँ और तत्सम्बन्धी जिज्ञासाएँ विभिन्न युगों में बदलती रही है और बदलती रहेंगी, इसलिए इस शास्त्र का वैसा विकास नहीं हो पाता जिस प्रकार कि उदाहरणत: भौतिकशास्त्र का है जिसमें परवर्ती विचारक पूर्ववती चिन्तक के सिद्धान्तों को या तो नई व्यवस्था में बाँधता है अथवा उसके कन्धे पर खड़े होकर नवनवीन विकास के परिदृश्य देखता है। सौन्दर्यशास्त्र, नीतिशास्त्र आदि मूल्यशास्त्र होने के कारण वे सिद्धान्त मुख्यत: प्रणालियों के समवाय के रूप में प्रस्तुत होते है। अन्तिम निर्णय का भार हम पर ही रह जाता है कि उनमें से कौन सी बात हमारे लिए स्वीकारणीय है और कौन-सी त्याज्या। आधुनिक सौन्दर्यशास्त्र के क्षेत्र में तो सिद्धान्तों का एक जंगल का जंगल खड़ा हो गया है।

4. (क) सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए: (अंक 5)

मनुष्य लोकबद्ध प्राणी है, इससे वह अपने की उन कर्मों के गुण-दोष का भी भागी समझता है जिनसे उनका संबंध होता है, जिनके साथ यह देखा जाता है। पुत्र की योग्यता और दुराचार, भाई के दुर्गुण और असभ्य व्यवहार आदि का ध्यान करके भी दस आदमियों के सामने सिर नीचा होता है। यदि हमारा साथी हमारे सामने किसी तीसरे आदमी में बातचीत करने में भारी मूर्खता का प्रमाण देता है, भद्दी और ग्राम्य भाषा का प्रयोग करता है, तो हमें भी लज्जा आती है। जिसे लोग कुमार्गी जानते हैं, उसके साथ यदि हम कभी देवमंदिर के मार्ग पर भी देखे जाते हैं तो सिर झुका लेते हैं या बगले झांकते हैं। बात यह है कि जिसके साथ हम देखे जाते हैं, उसका हमारा कितनी बातों में कहाँ तक साथ है, दूसरो को इसके अनुमान की पूरी स्वच्छन्दता रहती है, उसकी कल्पना की कोई सीमा हम तत्काल बाँध नहीं सकते।

अथवा

इस देश में अनेक भाषाएं है, अनेक जातियाँ हैं, इन जातियों की अपनी-अपनी संस्कृति है। इन सभी जातियों की संस्कृतियों के सामान्य तत्त्वों का, उनके समुच्चय का नाम भारतीय संस्कृति है। भारत की जातियों से भिन्न भारतीय संस्कृति की सत्ता कहीं नहीं है। वर्गों की, जनसाधारण की संस्कृति की कुछ जातीय विशेषताएँ होती है। सामन्त वर्ग इंग्लैण्ड में भी था, यहाँ भी रहा है लेकिन नायिका भेद का प्रसार यहाँ की सामन्ती संस्कृति की जातीय विशेषता है। सामन्त काल में जनसाहित्य यहाँ भी रचा गया, यूरोप मैं भी, लेकिन सन्त साहित्य की कुछ अपनी जातीय विशेषताएँ है। आधुनिक युग में साहित्य शरच्चन्द्र ने भी रचा है, वल्लयोल और भारती ने भी लेकिन बहुत से बातों में इनके समान होते हुए भी प्रेमचन्द की अपनी जातीय विशेषताएं हैं। इसलिए संस्कृति की जातीय विशेषताओं के विकास के लिए जातीय गठन जरूरी है।

(ख) सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए: (अंक 5)

जाको गुरु भी अंधला, चेला खरा निरंध।
अबै अन्धा ठेलिया, दून्यूं कूप पडंत।।
पीछे लागा जाइया, लोक वेद के साथि।
आगे थैं सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि।।

अथवा

प्रकृति के यौवन का शृंगार
करेंगे कभी न बासी फूल,
मिलेंगे वे जाकर अतिशीघ्र
आह उत्सुक है उनकी धूल।
पुरातनता का यह निर्मोक
सहन करती न प्रकृति पल एक,
नित्य नूतनता का आनन्द
किये है परिवर्तन में टेक।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए: (अंक 5)

(i) अज्ञ
(ii) क्षर
(iii) तृष्णा
(iv) इति
(v) ऋजु
(vi) प्राची
(vii) निवृत्त
(viii) पल्लवन
(ix) धीरोद्दात्त
(x) संकल्प

6. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध लिखिए: (अंक 5)

(i) अभिग्य
(ii) इक्षा
(iii) अन्ताक्षरी
(iv) उच्छिष्ठ
(v) अनुग्रहीत
(vi) गरिष्ट
(vii) दन्तोष्ट्य
(viii) प्रामाणित
(ix) यक्षणी
(x) मैथीलीशरण

7. निम्नलिखित युग्मों में दिय गए शब्दों को अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि दोनों का पारस्परिक अन्तर सथासम्भव स्पष्ट हो जाए: (अंक 5)

(i) अभेद – अभेद्य
(ii) अजर – अजिर
(iii) उपल – उत्पल
(iv) मात्र – मातृ
(v) रिक्थ – रिक्त

8. निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: (अंक 5)

(i) अपनी खिचड़ी अलग पकाना

(ii) उँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना

(iii) ऊँची दुकान, फीके पकवान

(iv) खग जाने खग ही की भाषा

(v) ओछे की प्रीति बालू की भीति

9. (अ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए: (अंक 2½)

(i) गुरु के समीप या साथ रहने वाला विद्यार्थी।

(ii) जिस पर कोई कलंक न लगा हो।

(iii) जिसे अक्षर-ज्ञान न हो

(iv) दूसरे का दोष खोजने वाला।

(v) जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में निवास करता हो।

(ब) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए: (अंक 2½)

(i) परीक्षण

(ii) गंगोर्मि

(iii) प्रत्यर्पण

(iv) मध्वाचार्य

(v) वनौषधि

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी मे निबन्ध लिखिए: (अंक 30)

(i) सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

(ii) विकास एवं पर्यावरण

(iii) आधुनिक जीवन और सोशल मीडिया

(iv) संसद में महिला आरक्षण

(v) तकनीकी विकास और रोजगार